2009–10
हिन्दी
कक्षा – 11

समय – 3 घंटे **पूर्णांक (70+30) 100**

(क) अपठित बोध (गद्यांश बोध)	10
(ख) रचनात्मक लेखन (कामकाजी हिन्दी और रचनात्मक लेखन)	20
(ग) पाठ्य–पुस्तक : आरोह भाग–1	26
पूरक पुस्तक : वितान भाग–1	09
(घ) मौखिक अभिव्यक्ति	05
(ड.) संस्कृत पठित बोध	10
(च) पाठ्य पुस्तक पर आधारित प्रश्नोत्तर	10
(छ) वाक्य रचना / व्याकरण	05
(ज) मौखिक– अभिव्यक्ति	05

(क)– अपठित बोध : **10 अंक**

1. गद्यांश बोधः (गद्यांश पर आधारित बोध, प्रयोग, रचनांतरण, शीर्षक आदि पर लघुत्तरात्मक प्रश्न 10

(ख)– रचनात्मक लेखन : (कामकाजी हिंदी और रचनात्मक लेखन) **20 अंक**

रचनात्मक लेखन पर दो प्रश्न

2. निबंध 10
3. कार्यालयी पत्र 05

निर्धारित पुस्तक 'अभिव्यक्ति और माध्यम' के आधार पर जनसंचार की विधाओं पर दो प्रश्न

4. प्रिंट माध्यम (समाचार और सम्पादकीय)
   - रिपोर्ट / आलेख 05

(ग) – आरोह (काव्य–भाग–16 अंक, गद्य–भाग–10 अंक) **26 अंक**

(काव्य भाग)

5. दो काव्यांशों में से किसी एक पर अर्थग्रहण के तीन प्रश्न (2+2+2) 06
6. एक काव्यांश के सौदर्यबोध पर दो प्रश्न (3+3) 06
7. कविता की विषय वस्तु पर आधारित दो लघुत्तरात्मक प्रश्न (2+2) 04

(गद्य–भाग)

8. दो में से एक गद्यांश पर आधारति अर्थग्रहण सम्बन्धित दो प्रश्न (2+2) 04
9. पाठों की विषय वस्तु पर आधारित चार में से दो बोधात्मक प्रश्न (3+3) 06

वितान भाग : 1 **09 अंक**

10. पाठों की विषय वस्तु पर आधारति पाँच में से तीन लघुत्तरात्मक प्रश्न (3+3+3) 09

(घ) मौखिक परीक्षण

श्रवण (सुनना) : वर्णित या पठित सामग्री को सुनकर अर्थग्रहण करना, वार्तालाप, वाद–विवाद, भाषण, कविता पाठ आदि को सुनकर समझना, मूल्यांकन करना और अभिव्यक्ति के ढंग को समझना। 02

बोलना : भाषण, सस्वर कविता पाठ, वार्तालाप और उसकी औपचारिकता, कार्यक्रम–प्रस्तुति, कथा–कहानी अथवा घटना सुनाना, परिचय देना, भावानुकूल संवाद–वाचन 03

खण्ड ड. – संस्कृत पठित बोध **10 अंक**

1. संस्कृत पाठ्यपुस्तक के प्रदत्त गद्यांश पर आधारित पाँच लघूत्तरीय प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर (2+2+2) 06

   पाठ्यपुस्तक के प्रदत्त श्लोक पर आधारित चार लघुत्तरीय प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर (2+2) 04

खण्ड च– संस्कृत पाठ्य–पुस्तक पर आधारित प्रश्नोत्तर **10 अंक**

पाठ्यपुस्तकों के पाठों पर आधारति आठ लघुत्तरीय प्रश्नों में से पाँच प्रश्नों के संस्कृत में पूर्ण वाक्यों में उत्तर (2+2+2+2+2) 10

खण्ड छ– संस्कृत वाक्य रचना **05 अंक**

सुबन्त तिड.न्त अव्यय आदि से सम्बन्धित छः पदों में से तीन पदों को लेकर संस्कृत में तीन वाक्यों की रचना करना। 3

हल (व्यंजन) सन्धि– स्तोःश्चुनाश्चुः ष्टुनाष्टुः, मोइनुस्वारः 2

खण्ड ज– मौखिक अभिव्यक्ति **05 अंक**

हिन्दी पाठ्यक्रमानुसार

वार्तालाप की दक्षताएँः

वार्तालाप की दक्षताओं का मूल्यांकन निरंतरता के आधार पर परीक्षा के समय होगा।

श्रवण (सुनना) टिप्पणी का मूल्यांकन :

परीक्षक किसी प्रासंगिक विषय पर एक अनुच्छेद का स्पष्ट वाचन करेगा। अनुच्छेद, तथ्यात्मक या सुझावात्मक हो सकता है। अनुच्छेद लगभग 250 शब्दों का होना चाहिए। परीक्षक/अध्यापक को सुनते–सुनते परीक्षार्थी अलग कागज पर दिये हुए श्रवण–बोध के अभ्यासों को हल कर सकेंगे।

वाचन (बोलना) का मूल्यांकन :

1. चित्रों के क्रम पर आधारित वर्णन : इस भाग में अपेक्षा की जायेगी कि विवरणात्मक भाषा का प्रयोग करें।
2. किसी चित्र का वर्णन : चित्र लोगों या स्थानों के हो सकते हैं।
3. किसी निर्धारित विषय पर बोलना, जिससे विद्यार्थी/परीक्षार्थी अपने व्यक्तिगत अनुभव का प्रत्यास्मरण कर सके।
4. कोई कहानी सुनना या किसी घटना का वर्णन करना।

टिप्पणीः

परीक्षण से पूर्व परीक्षार्थी को कुछ तैयारी के लिए समय दिया जाए।

- विवरणात्मक भाषा में वर्तमान काल में प्रयोग आवश्यक है।
- निर्धारित विषय परीक्षार्थी के अनुभव–जगत के हों जैसे–
  कोई चुटकुला या हास्य प्रसंग सुनाना।
  हाल में पढ़ी पुस्तक या देखे सिनेमा की कहानी सुनाना।

जब परीक्षार्थी बोलना आरम्भ कर दे तो परीक्षक कम से कम हस्तक्षेप करें।

कौशलों के अंतरण का मूल्यांकन

(इस बात का निश्चय करना कि क्या विद्यार्थी में श्रवण और वाचन की निम्नलिखित योग्यताएँ हैं।)

श्रवण (सुनना)	वाचन (बोलना)
विद्यार्थी में –	**विद्यार्थी में –**
1. परिचित संदर्भों में प्रयुक्त शब्दों और पदों को समझने की सामान्य योग्यता है किन्तु वह सुसंबद्ध आशय को नहीं समझ पाता।	1. केवल अलग–अलग शब्दों और पदो के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है किन्तु एक सुसंबद्ध स्तर पर नहीं बोल सकता।
2. छोटे सम्बद्ध कथनों को परिचित संदर्भों में समझने की योग्यता है।	2. परिचित संदर्भों को केवल छोटे संबद्ध कथनों का सीमित शुद्धता से प्रयोग करता है।
3. परिचित या अपरिचित दोनों संदर्भों में कथित सूचना को स्पष्ट समझने की योग्यता है।	3. अपेक्षाकृत दीर्घ भाषण में अधिक जटिल कथनों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करता है, अभी भी कुछ अशुद्धियां करता है जिससे प्रेषण में रूकावट आती है।
4. दीर्घ कथनों की श्रृखला को पर्याप्त शुद्धता से समझने और निष्कर्ष निकाल सकने की योग्यता है।	4. अपरिचित स्थितियों में विचारों को तार्किक ढंग से संगठित कर धारा प्रवाह रूप में प्रस्तुत करता है जिनसे प्रेषण में रूकावट नहीं आती।
5. जटिल कथनों के विचार–बिन्दुओं को समझने की योग्यता प्रदर्शित करने की क्षमता है, वह उद्देश्य के अनुकूल सुनने की कुशलता प्रदर्शित करता है।	5. उद्देश्य और श्रोत के लिए उपयुक्त शैली को अपना सकता है, केवल मामूली गलतियाँ करता है।

निर्धारित पुस्तकें :

1. आरोह भाग – 1
2. वितान भाग – 1
3. अभिव्यक्ति और माध्यम
4. संस्कृत पाठ्य–पुस्तक–प्रबोधिनी भाग – 1

निम्नलिखित पाठों का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा :–

1– आरोह भाग–1 – 1. आत्मा का ताप
2. अप्पू के साथ ढाई साल
3. त्रिलोचन की कविता

2– वितान भाग–1 – 1. लता मंगेसकर

कोविड 19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र 2020–21 हेतु विषय– हिन्दी (कक्षा–11) में उपरोक्त पाठ्यक्रम से 30 प्रतिशत की कटौती निम्नवत् की जाती हैः–

Class – XI
DELETED SYLLABUS
(For the Session of 2020-21 Only)
HINDI
(THEORY)

काव्य खण्ड (आरोह भाग– 1)	• त्रिलोचन – चंपा काले काले अच्छर नहीं चीन्हती • अक्क महादेवी – (क) हे भूख! मत मचल, (ख) हे मेरे जूही के फूल जैसे ईश्वर • अवतार सिंह पाश–सबसे खतरनाक
गद्य खण्ड (आरोह भाग– 1)	• सत्यजित राय – अपू के साथ ढ़ाई साल • सैयद हैदर रजा – आत्मा का ताप • राम नरेश त्रिपाठी – पथिक • बालमुकुंद गुप्त – विदाई संभाषण • मन्नू भंडारी – रजनी
संस्कृत प्रबोधिनी (भाग– 1)	• प्रश्नोत्तर–विनोदः • प्राणेभ्यः संस्कृतिः श्रेष्ठा • वणिगवैद्ययोः वार्तालापः